विदेश नीति पर प्रस्ताव

कांग्रेस पार्टी के तहत भारत की विदेश नीति भारत के उच्च राष्ट्रीय हितों को प्राप्त करने के सिद्धांतों, और विश्व के सभी देशों के साथ अपने संबंधों में वृद्धि करने पर आधारित रही है। यह विदेश नीति पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा प्रस्तुत पंचशील के दर्शन से ओत–प्रोत रही है तथा यह आदर्शवाद और सुदृढ़ व्यवहारिकता का मिश्रण रही है। पंडित नेहरू एक वैश्विक राजनीतिज्ञ थे, जिन्होंने एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के नवीन स्वतंत्र देशों के गठबंधन के निर्माण में अत्यधिक योगदान दिया था और उन्हें निर्गुट आंदोलन की पृष्ठभूमि में मार्गदर्शक के रूप में याद किया जाता है। उन्होंने इस पहल का नेतृत्व करने का बीड़ा उठाया था जब विश्व सत्ता के ब्लॉकों की होड़ में विभाजित था और उनका महत्वपूर्ण योगदान दक्षिण–दक्षिणी सहयोग के नए दायरे को सृजित करने में सभी प्रकार से माना गया है। कांग्रेस की सभी सरकारों ने इसी विदेश नीति के इन सिद्धांतों का पालन किया है।

श्रीमती इंदिरा गांधी ने जवाहर लाल नेहरू के विज़न को आत्मसात किया और विकसित विश्व के साथ भारत के संबंधों को समेकित करने के लिए उन्हें पोषित किया। उन्होंने विश्व शांति के लिए अपना अभूतपूर्व योगदान दिया और निर्गुट आंदोलन में अगुवाह भूमिका निभाई तथा नई दिल्ली में आयोजित 7वें निर्गुट शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता की। एशिया अफ्रीकन एकजुटता को मज़बूत बनाने के लिए भारत की भूमिका को व्यापक रूप से माना गया और उनके विशेष व्यक्तित्व से उनका दर्जा विश्व के नेताओं में बढ़ा।

राजीव गांधी के विश्व के प्रति दृष्टिकोण को नेहरू जी की नैतिक नींव से मज़बूती मिली और उन्होंने राष्ट्रीय सर्वसम्मति से इस विदेश नीति को आगे बढ़ाया। पांच महाद्वीपों की पहल के भाग के रूप में, उन्होंने नाभिकीय हथियारों को नष्ट करने के लिए सकारात्मक माहौल का सृजन करके निशस्त्रीकरण के लिए अपने प्रयास जारी रखे। उन्होंने संपूर्ण नाभिकीय हथियारों को समाप्त करने के आवाह्‌न के लिए अभियान को समर्थन हेतु 6 राष्ट्रों की प्रथम शिखर वार्ता के आयोजन का नेतृत्व किया। नाभिकीय हथियार मुक्त और अहिंसक विश्व व्यवस्था के लिए कार्य योजना तैयार करने में उनका योगदान काफी माना गया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी नाभिकीय निशस्त्रीकरण की कार्य योजना के लिए प्रतिबद्ध है, जो श्री राजीव गांधी द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासभा के समक्ष 1988 में लाया गया था। यह कार्य योजना नाभिकीय निशस्त्रीकरण और नाभिकीय हथियार मुक्त विश्व के भारत के विश्व दृष्टिकोण के कवच के रूप में जारी रही है।

कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने छह वर्षों में एक ऐसी विदेश नीति का सफलतापूर्वक अनुपालन किया है, जिसने अपने सभी रणनीतिक भागीदारों और विश्व के प्रमुख देशों के साथ भारत के संबंधों को कायम रखा

है, और इस प्रकार मौजूदा संबंधों को समेकित किया है तथा नई भागीदारी को बनाया है। ऐसा करने से, विश्व के साथ भारत के बढ़ते हुए संबंधों में प्रभावी रूप से वृद्धि हुई है, जो कि इक्कीसवीं शताब्दी के विश्व में महत्वपूर्ण वैश्विक प्लेयर के रूप में भारत के बदलते स्वरूप के साथ मेल खाती है। भारत के बाह्य संबंध तेजी से बदलती हुई वैश्विक गतिशीलता के प्रत्युत्तर में प्रभावी और अनुकूल रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारत इक्कीसवीं शताब्दी के विश्व में एक नेतृत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए कार्य करें।

यूपीए सरकार शांतिपूर्ण दक्षिण एशिया के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध रही है और हमारे निकट और विस्तारित पड़ोसी देशों के साथ अर्थपूर्ण रूप से कार्यरत है। भारत सार्क के सबसे बड़े सदस्य होने के नाते क्षेत्रीय सहयोग के प्रति असम्मित और गैर पारस्परिक दृष्टिकोण को कायम रखने का विज़न रखता है। हम न्याय संगत रूप से सार्क (SAARC) को घोषणात्मक दौर से कार्यान्वयन एजेंडा के रूप में बदलने के हमारे इस मूल प्रयास में विकसित सहयोग को देखने का दावा कर सकते हैं।

पड़ोसी देशों के साथ संबधों में हमारा एक मज़बूत विकासोन्मुख दृष्टिकोण रहा है और इसी प्रकार हमने भूटान, बंगलादेश, नेपाल और श्रीलंका के आधारभूत ढांचे के निर्माण पर ध्यान केन्द्रित किया है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी इस बात से संतुष्ट है कि बंगलादेश में बहु–पार्टी लोकतंत्र की बहाली से और जनवरी 2010 में प्रधानमंत्री शेख हसीना के सफल दौरे से इस ऐतिहासिक संबंध को एक नया आयाम मिला है। भारत नेपाल के शांतिपूर्ण और स्थायी लोकतंत्र के रूप में हस्तांतरण के समर्थन के प्रति वचनबद्ध रहा है और इसके साथ–साथ, इसके आर्थिक विकास के लिए यह सुस्थाई समर्थन प्रदान करता रहेगा।

श्रीलंका में युद्ध की समाप्ति से उनके इतिहास में एक नया अध्याय खुला है और हम उम्मीद करते हैं कि यह युनाइटेड श्रीलंका के कार्य ढांचे के भीतर शांतिपूर्ण समझौते की ओर बढ़ने में योगदान देगा, जो कि सिंहलों, तमिलों और अन्य जातिगत अल्पसंख्यकों की समानता और सम्मान को सुनिश्चित करेगा। भारत श्रीलंका में राजनीतिक उदय की प्रक्रिया का समर्थन करता है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी श्रीलंका के विस्थापित तमिलों की पुनःस्थापना और युद्ध से विनष्ट जाफना पेनिनसुला के पुनर्निर्माण के लिए 5,000 करोड़ रूपए की भारत की ओर से सहायता के लिए सरकार की सराहना करती है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस **आँग सांग सू की** को रिहा किए जाने का स्वागत करती है। वे म्यांमार में लोकतांत्रिक परिवर्तन के लिए कार्य करने के अपने संकल्प में दृढ़ रही हैं, जबकि उन्हें अनेक वर्षों तक कारावास में रहना पड़ा। हम आशा करते हैं कि उनकी रिहाई से म्यांमार में स्थिति को सामान्य बनाने की नवीन प्रक्रिया को शुरू करने में मदद मिलेगी, जिससे विस्तृत आधार पर संपूर्ण राजनैतिक परिवर्तन अग्रसरित होगा।

भारत ने युद्ध से विनष्ट अफ़गानिस्तान के विकास और पुनर्निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान करने की भूमिका निभाई है। इसने अस्पतालों और शैक्षिक संस्थानों सहित आधारभूत ढांचे के निर्माण हेतु सहायता प्रदान की है जिसकी अफ़गानिस्तान के लोगों द्वारा प्रशंसा की गई है और वैश्विक समुदाय ने इसे मान्यता दी है। इससे दीर्घावधि में अफ़गानिस्तान को सामान्य स्थिति की ओर लौटने में मदद और मज़बूती प्राप्त होगी।

भारत फिलिस्तीनी लोगों के मूल अधिकारों और इच्छाओं का पूरी तरह से समर्थन देने हेतु दृढ़ रूप से खड़ा रहा है कि उनका खुद का एक प्रभुसत्ता संपन्न देश हो। फिलिस्तीनी मुद्दे के न्यायपूर्ण हल और स्वतंत्र तथा स्थिर फिलिस्तीन का सृजन होना पश्चिम एशिया में शांति बनाए रख सकता है।

चीन के साथ संबंध नीतिगत सहयोग की भावना के साथ हैं और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी इन संबंधों को पार्टी और सरकार, दोनों स्तरों पर एक ऐसे वर्ष में सघन बनाने के लिए स्वागत करती है जो हमारे राजनयिक संबंधों की स्थापना के साठ वर्ष पूरा होने का हमें स्मरण कराते हैं। एक बड़े पड़ोसी होने के नाते और सबसे बड़े व्यापारिक पार्टनर होने की वजह से हमारे हितों में समानताएं हैं और भागीदारी की भावना के माध्यम से हमारा भविष्य अर्थपूर्ण ढंग से पुरस्कृत हो सकता है। समझौता ज्ञापन, जो चीन की कम्युनिस्ट पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बीच हस्ताक्षरित हुआ है, ने दोनों पक्षों से नियमित रूप से नियमित संवाद के लिए रास्ता खोला है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी प्रिमीयर वेन जियाबाओ के सफल दौरे के लिए तथा उनकी प्रधानमंत्री और कांग्रेस अध्यक्षा के साथ सफल बैठकों की प्रशंसा करती है जिससे राजनैतिक नेतृत्व के बीच बेहतर सूझबूझ के सृजन में सहायता मिली है।

कांग्रेस के नेतृत्व में यूपीए सरकार ने रूसी फेडरेशन के साथ परंपरागत मैत्रीपूर्ण संबंधों पर नए सिरे से जोर दिया है और यह अवधि गहन द्विपक्षीय संबंधों की रही है, और जो बीआरआईसी (BRIC) के फ्रेमवर्क के भी अंतर्गत है। यह अवधि रूस से उच्च स्तरीय दौरों की रही है, अर्थात् प्रधानमंत्री पुतिन और राष्ट्रपति मेदवेदेव ने दौरा किया है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, सरकार की पूर्वी एशिया क्षेत्र के साथ अपने संबंधों को बढ़ाने की मज़बूत पहल की सराहना करती है, जो राष्ट्रों के गुंजायमान और गतिशील समूह का एक घर है जिसका कि बढ़ता हुआ आर्थिक प्रोफाईल है। पूर्वी एशिया की अर्थव्यवस्थाओं के साथ व्यापार और निवेश के संबंधों को एशियान (ASEAN) और कोरिया के साथ व्यापक आर्थिक सहयोग करार (CECA), आर्थिक समुदाय के साथ माल सामग्री समझौते के संबंध में ट्रेड पर हस्ताक्षर होने को नए सिरे से बल मिलेगा। जापान और मलेशिया के साथ व्यापक आर्थिक सहभागिता करार होने से वैश्विक समुदाय को एक मज़बूत संदेश गया है कि ऐसे समय में जबकि अभूतपूर्व वैश्विक मंदी आई है, भारत विश्व के साथ काम करने के लिए तैयार है। पूर्वी एशिया क्षेत्र के साथ संबंध के

रणनीतिक आयाम को कम करके नहीं आंका जा सकता और यह सच है कि अब भारत पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन में पूर्ण संवादकर्ता पार्टनर के रूप में है और यह इस क्षेत्र में बढ़ती हुई सह–क्रियाओं में योगदान देगा। हम आने वाले वर्षों में पूर्वी एशिया के महान् आर्थिक एकीकरण को, और पूर्वी एशिया में व्यापक आर्थिक भागीदारी को उभरते हुए देखेंगे। भारत के इस संबंध में कार्य करने को व्यापक मान्यता मिली है जो एशिया के विशाल आर्थिक एकीकरण के बीच कार्यरत है।

स्वतंत्रता के संघर्ष के दिनों से भारत का अफ्रीका के लोगों के साथ एक प्रगाढ़ रिश्ता रहा है और इसने साम्राज्यवाद और रंगभेद से मुक्ति दिलाने के संघर्षों में अपना समर्थन दिया है। अफ्रीका के प्रति हमारे दृष्टिकोण को महात्मा गांधी की विचारधारा से प्रेरणा मिली है। पंडित नेहरू ने इस संबंध को पोषित किया और अफ्रीका के लोगों के साथ उनके कठिनाई के दौर में भारत ने उनका पूरा साथ दिया और उन्हें दमनकारी साम्राज्यवादी राज्य और रंगभेद की प्रथा के खिलाफ लड़ाई में अपना नैतिक समर्थन और सहयोग प्रदान किया है। राजीव गांधी ने अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस और नामीबिया के स्वापो (SWAPO) को मज़बूत राजनैतिक सामग्री और नैतिक समर्थन देना जारी रखा। उनके प्रयासों से वे रंगभेद के खिलाफ संघर्ष में एक अगुआ के तौर पर उभरे। उन्होंने रंगभेदी दक्षिण अफ्रीका साम्राज्य के खिलाफ अनिवार्य प्रतिबंधों को लगाने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय का समर्थन जुटाया। उनका (AFRICA) (एक्शन फॉर रेजिस्टिंग इनवेज़न कोलोनियलिज़म एंड आपारथीड फंड) की हरारे में निगुर्ट शिखर सम्मेलन में स्थापना करने की पहल के लिए सम्मान किया जाता है।

कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने अफ्रीका के साथ ऐतिहासिक संबंधों को समेकित किया और अफ्रीकन यूनियन के साथ भारत–अफ्रीका फोरम शिखरवार्ता के ढांचे के अंतर्गत संस्थागत सहयोग के माध्यम से इन रिश्तों को संस्थागत बनाया गया। यह शिखर वार्ता अफ्रीकन यूनियन के साथ भागीदारी की भावना में अवधारित हुई और जिसने इक्कीसवीं शताब्दी में भारत और अफ्रीका के बीच सुस्थापित भागीदारी की रूपरेखा तैयार की। यू.पी.ए. सरकार ने अफ्रीका और अल्प विकसित देशों के आर्थिक और मानव विकास को क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से सतत सहयोग प्रदान किया है और इन देशों में संस्था निर्माण के प्रयासों का समर्थन किया है। पैन अफ्रीकन ई–नेटवर्क परियोजना अफ्रीका के साथ हमारे सहयोग का एक शानदार प्रतीक है जिसके दायरे में 47 देश हैं ताकि अफ्रीका को डिजिटल अंतर को समाप्त करने के लिए तैयार किया जा सके।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और दक्षिण अफ्रीका की अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस के बीच सतत पार्टी स्तरीय संवादों, जिनमें युवा और महिला विंग भी शामिल हैं, के लिए ऐतिहासिक संबंधों के संस्थाकरण की सराहना करती है। यह भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच राजनैतिक संबंधों में प्रगाढ़ता लाएगी, जिसकी विश्व में कोई समानता नहीं कर सकता।

अफ्रीका के साथ संबंध के समेकन को दक्षिणी अफ्रीका के राष्ट्रपति जूमा, नामीबिया के राष्ट्रपति पोहाम्बा, अफ्रीकन यूनियन राष्ट्रपति बिंगु मुथारिका के उच्च स्तरीय महत्वपूर्ण दौरों में अभिव्यक्त किया गया।

यह बड़े संतोष की बात है कि आईबीएसए ने एशिया, लैटिन अमेरिका और अफ्रीका के महाद्वीपों से तीन महान् लोकतंत्र और ऊभरती अर्थव्यवस्थाओं भारत, ब्राज़ील और दक्षिण अफ्रीका को एक साथ लाकर एक महत्वपूर्ण राजनैतिक धरातल तैयार किया है जो एक मज़बूत भागीदारी के लिए है। बदलते वैश्विक आर्थिक और राजनैतिक ढांचे में इस संस्था का महत्वपूर्ण रणनीतिक स्थान है। चार उभरती अर्थव्यवस्थाओं–ब्राजील, रूस, भारत और चीन के बीआरआईसी (BRIC) के रूप में संगठित होने से भारत का बढ़ता आर्थिक प्रोफाइल रेखांकित हुआ है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, वार्षिक शिखर स्तरीय संवाद के माध्यम से यूरोपियन यूनियन के साथ बढ़ते संबंध को संतोषजनक रूप से नोट करती है। यूरोपियन यूनियन के भारत के सबसे बड़े व्यापारिक पार्टनर के रूप में उभरने और व्यापक आधारित व्यापार और निवेश करार के लिए संधि वार्ताएं करने के प्रयास सचमुच सराहनीय हैं। भारत और यूरोपियन यूनियन समान रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों, मानव अधिकारों के प्रति सम्मान और कानून के शासन के लिये प्रतिबद्ध हैं तथा यूरोपियन यूनियन के साथ कूटनीतिक संबंध इसलिए, विशेष महत्व रखते हैं।

भारत की विश्व के सभी प्रमुख देशों के साथ रणनीतिक रूप से भागीदारी है जिनमें फ्रांस, रूस, यूके, यूएसए, जापान, दक्षिण अफ्रिका, ब्राजील, नाइजीरिया, इयू, जर्मनी, चीन और सऊदी अरब शामिल हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ भारत के संबंधों ने प्रमुख बदलाव देखा है और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक स्थायी सीट के लिए भारत की दावेदारी के लिए मज़बूत समर्थन प्राप्त करने पर सरकार को बधाई देती है। राष्ट्रपति ओबामा के दौरे से विश्व के दो विशाल लोकतंत्रों के बीच कूटनीतिक संबंधों को और अधिक बढ़ाने के लिए एक मज़बूत द्विपक्षीय समर्थन मिला है।

असैनिक परमाणु ऊर्जा सहयोग के संबंध में करार होना प्रमुख रूप से अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में एक मील का पत्थर साबित हुआ है और इसने वैश्विक मुख्य धारा में भारत की स्वीकार्यता को चिन्हित किया है, और इसके फलस्वरूप तीन दशकों से चला आ रहा न्यूक्लीयर एकाकीपन समाप्त हुआ है। इससे भारत के नाभिकीय अप्रसार के संबंध में दोषरहित विश्वसनीयता को मान्यता मिली है। अब हमने विश्व के समस्त प्रमुख देशों के साथ सिविल नाभिकीय ऊर्जा सहयोग हेतु करारों को प्रचालित करना शुरू कर दिया है जिससे ऊर्जा सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन की दोहरी चुनौती के निराकरण में सहायता मिलेगी।

द्विपक्षीय संबंधों को मज़बूत बनाने के संबंध में यह वर्ष सभी पी–5 देशों – यूएसए, यूके, फ्रांस, रूस और चीन के देशों/सरकारों के प्रमुखों के उच्च स्तरीय दौरों का साक्षी रहा है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी फ्रांस के राष्ट्रपति सारकोज़ी, यूके के प्रधानमंत्री डेविड केमरून के सफल दौरे की प्रशंसा करती है। इन दौरों ने प्रमुख शक्तियों के साथ बढ़ते द्विपक्षीय संबंध के कूटनीतिक स्वरूप का प्रदर्शन किया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थाई सीट के लिए भारत की उम्मीदवारी के लिए उनका मज़बूत समर्थन और सिविल नाभिकीय सहयोग में प्रगाढ़ता होना एक महत्वपूर्ण बात है।

यूपीए सरकार ने आंतकवाद के खतरे को वैश्विक एजेंडा में प्रभावी रूप से शामिल किया है और देश की नीति के माध्यम के रूप में आंतकवाद की प्रायोजकता की निंदा करने में वैश्विक समर्थन जुटाया है। विशेष रूप से, पाकिस्तान की भूमि से चलाए जाने वाले आंतक के सिन्डिकेट को अंतरराष्ट्रीय समुदाय में उजागर किया गया है।

मुंबई में कायरतापूर्ण आंतकवादी हमले ने राष्ट्र को झकझोर दिया और समूचे विश्व समुदाय को शोक में डुबो दिया जिसने एक स्वर से इसकी निंदा की और भारत के साथ अपनी एकजुटता प्रकट की। इस हमले ने भारत और पाकिस्तान के बीच के उन संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव डाला जिसमें हमने पिछले अनेक वर्षों से हमारे क्षेत्र में शांति बनाए रखने की खातिर काफी कुछ कार्य किया है। पाकिस्तान को बड़ी ईमानदारी से आंतकवादियों का सफाया करने हेतु अपने आश्वासनों पर खरा उतरना होगा और भारत में आंतकी हमलों के लिए अपने क्षेत्र के उपयोग की अनुमति नहीं देनी होगी और मुंबई कांड के लिए ज़िम्मेदार लोगों को दण्डित करना होगा।

भारत ने अंतरराष्ट्रीय आंतकवाद पर संयुक्त राष्ट्र में एक व्यापक अभियान चलाया है और इसके लिए बड़े पैमाने पर समर्थन जुटाया है। भारत अब वित्तीय टास्क फोर्स का पूर्ण सदस्य बन गया है जो कि आंतकवाद का वित्त पोषण करने और मनी–लांडरिंग की रोकथाम करने में एक बड़ा कदम है।

भारत एआरएफ (ARF), एसआईसीए (SICA) सहित अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा वार्ता का एक हिस्सा है और यह संयुक्त कार्य ग्रुपों के माध्यम से प्रमुख कूटनीतिक भागीदारों के साथ कार्य करने में जुटा हुआ है, ताकि सामूहिक रूप से आंतकी ताकतों के साथ लड़ा जा सके और उन्हें विफल किया जा सके, जो कि वैश्विक लोकतांत्रिक व्यवस्था की स्थापना के लिए खतरा हैं।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, यूपीए सरकार को वैश्विक समुदाय में भारत के कद को बढ़ाने और इसके द्वारा G–20 में अदा की गई भूमिका के लिए बधाई देती है। आज भारत की आवाज उन समस्त अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बड़े सम्मान से सुनी जाती है जो वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए स्थापित किए गए हैं। कांग्रेस की अगुवाई में यूपीए सरकार ने ऐसे समय पर अंतरराष्ट्रीय वित्तीय रूपरेखा को पुनः तैयार करने में नेतृत्व को दर्शाया है जबकि विश्व सर्वाधिक कठिन आर्थिक मंदी के दौर का सामना कर रहा था।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी को G–20, इंडिया– एएसइएएन (India-ASEAN), आईबीएसए (IBSA), बीआरआईसी (BRIC), ईस्ट–एशिया और भारत यूरोपियन यूनियन शिखर सम्मेलनों सहित सभी प्रमुख वैश्विक शिखर वार्ताओं में सफलतापूर्वक भाग लेने पर बधाई देती है। वैश्विक आर्थिक संकट का सामूहिक रूप से जवाब तैयार करने में उनकी बौद्धिक सलाह का विश्व के नेताओं द्वारा आदर किया गया। उनके नेतृत्व में बहुपक्षीय वित्तीय संस्थाओं के सुधार की शुरूआत हुई। यूपीए सरकार ने विश्व के सभी प्रमुख देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों को मज़बूत किया है और इसके साथ–साथ विकासशील विश्व में हमारे परंपरागत सहयोगियों के साथ परंपरागत संबंधों को मज़बूत बनाया है।

यूपीए सरकार ने इतिहास की विकृतियों का निदान करने और नियम आधारित अर्थव्यवस्था का सृजन करने के लिए विश्व व्यापार क्षेत्र स्थापित करने में अपनी नेतृत्व का प्रदर्शन किया है। भारत ने डब्ल्यूटीओ और जलवायु परिवर्तन वार्ताओं, दोनों में "विकासशील" और "विकसित" विश्व के बीच सेतु के रूप में काम किया है। भारत अल्प विकसित देशों और विकासशील देशों में अपने गठबंधन के भागीदारों के हित के लिए सदैव उनके साथ रहा है। बेसिक (BASIC) –ब्राज़ील, साऊथ अफ्रीका, भारत और चीन के उभरने से जलवायु परिवर्तन वार्ताओं के संवाद की प्रकृति में बदलाव आया है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था की मांग को पूरा करने के लिए ऊर्जा सुरक्षा की चुनौती का निराकरण करने में सरकार की बहु–मुखी रणनीति की सराहना करती है। एशिया, मिडल ईस्ट, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में विश्व के विभिन्न क्षेत्रों के साथ ऊर्जा सहयोग का विस्तार किया जाना सराहनीय है। इस पहल को और आगे बढ़ाने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा कार्यक्रमों का विस्तार करना और सहयोगात्मक अंतरराष्ट्रीय प्रयास किए जाना एक सामयिक बात है।

21वीं शताब्दी के विश्व ने ऐतिहासिक परिवर्तनों और वैश्विक भू–राजनैतिक शक्ति के पुनः संतुलन को देखा है। पिछले दो दशकों में विश्व, यूरोपियन यूनियन, अफ्रीकन यूनियन, भारत, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका में अभिव्यक्त बहु–ध्रुवीय व्यवस्था के प्रति स्पष्ट रूप से बढ़ा है। इसलिए, वैश्विक विश्वास को प्रेरित करने के लिए समसामयिक वैश्विक वास्तविकताओं को परिलक्षित करने के लिए वैश्विक राजनीति और वित्तीय संस्थानों का सुधार स्वाभाविक बन गया है। ये संस्थान जो विश्व युद्ध काल के बाद बने हैं, उन्हें और अधिक लोकतांत्रिक और आधुनिक समय में संदर्भित बने रहने की अधिक ज़रूरत है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, सरकार की बहुपक्षीय संस्थानों के व्यापक सुधार की, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पुनः निर्माण सहित, स्थायी और अस्थायी वर्गों–दोनों के विस्तार में, वैश्विक समर्थन जुटाने की सराहना करती है। भारत का सुविचारित दृष्टिकोण है कि सुधार की गई परिषद की संरचना लोकतांत्रिक हो, अपने स्वरूप में संपूर्ण हो और उसमें समसामयिक वैश्विक वास्तविकता दिखाई देती हो। यूपीए सरकार भारत के विश्व में सबसे बड़े लोकतंत्र के नाते सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट के लिए योग्यतापूर्ण दावे हेतु अधिकांश देशों से समर्थन

जुटाने में सफल रही है। इसे प्रमुख विकसित देशों, क्षेत्रीय राजनीतिक ग्रुपिंग, अफ्रीकन यूनियन और यूरोपीयन यूनियन सहित, सबसे मज़बूत समर्थन मिला है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, 2 अक्तूबर (गांधी जयंती) को 'अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस' घोषित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र जनरल असेम्बली में भारत के संकल्प को सर्वसम्मति से स्वीकार करने के लिए वैश्विक समर्थन जुटाने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष और प्रधानमंत्री की सराहना करती है। महात्मा गांधी जी की शहादत की 60वीं वर्षगांठ और सत्याग्रह आंदोलन की शताब्दी के अवसर पर यह उद्‌घोषणा न केवल पार्टी के लिए अपितु भारत की समस्त जनता के लिए महत्वपूर्ण घड़ी थी।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, भारतीय डायस्पोरा के अपने देश के साथ संबंधों को कायम रखते हुए वैश्विक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनैतिक संस्थाओं के प्रति बढ़ते योगदान को स्वीकार करती है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी विदेशी भारतीय समुदाय को वोट देने के अधिकार के संबंध में सरकार के कदम की सराहना करती है।

भारत एक सभ्यता वाला देश होने के नाते इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है, जो समय के साथ विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में फैल चुकी है। जबकि भारत का आर्थिक प्रोफाइल बढ़ रहा है, इसके साथ–साथ यह समान रूप से महत्वपूर्ण है कि शेष विश्व के साथ सांस्कृतिक संबंधों को पोषित किया जाए। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और पब्लिक डिप्लोमेसी विभाग के जरिए सरकार के सफल कार्यक्रमों की सराहना करती है जिन्होंने विश्व के विभिन्न भागों में भारतीय संस्कृति को बढ़ाया है और इसके हित में विकास किया है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का यह अधिवेशन राष्ट्रों के समूह में भारत के स्थान को ऊंचा उठाने के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयासों पर संतोष व्यक्त करता है और इसकी व्यापक प्रशंसा करता है। तीसरी दुनिया के नेतृत्व एवं एशिया और अफ्रीका में स्वतंत्रता अभियानों में भारत की परंपरागत भूमिका अब समान विश्व व्यवस्था के लिये 21वीं शताब्दी के नेतृत्व में विकसित हो गयी है। भारत क्षमता तथा डिलिवरी के संबंध में योगदान देने के लिये प्रतिबद्ध है। बीते दिनों को छोड़कर हम भविष्य में झांकना चाहते हैं, लेकिन एक ऐसे भविष्य में जो न्याय और समानता की दृष्टि से सबके लिए हो। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, सरकार को इसकी अद्वितीय उपलब्धियों और विदेश नीति को कारगर ढंग से संभालने के लिए बधाई देती है।

*****